CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-79
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
रिश्तों को जोड़े रखने के लिए कभी अंधा, कभी गंगा और कभी बहरा भी होना पड़ता है।

बिहार सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, सोमवार, 24 जून 2024

बिहार में CBI की टीम को दौड़ाकर पीटा

UGC NET पेपर लीक केस की जांच करने पहुंची थी नवादा

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ
नवादा, नवादा में सीबीआई और स्थानीय पुलिस की टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया. जांच टीम को फर्जी बताकर हमला किया. सीबीआई टीम के वाहन चालक के साथ बुरी तरह मारपीट की गयी. घटना जिले के रजौली थाना क्षेत्र के मुरहेना-कसियाडीह की है. इस बाबत रजौली थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिसमें 08 लोग नामजद किये गये हैं. 150-200 लोगों को अप्राथमिकी अभियुक्त बनाया गया है. पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है.शनिवार को लगभग 4 बजे सीबीआई की टीम नवादा पुलिस बल के साथ मुरहेना के कसियाडीह गांव निवासी फूलचंद प्रसाद व उनकी पत्नी बबिता देवी के घर की तलाशी लेकर वापस लौट रही थी. इस दौरान घरवालों

एवं करीब 200-300 लोगों की भीड़ जमा हो गई. सिविल ड्रेस में रहे सीबीआई टीम को नकली बताकर घेर लिया. सीबीआई के अफसरों द्वारा पहचान पत्र भी दिखाया गया. नवादा नगर थाना की महिला सिपाही काजल कुमारी के द्वारा भी समझाने का प्रयास किया गया. किन्तु भीड़ में रहे लोगों ने उनलोगों की एक न सुनी और बदतमीजी करने लगे.सीबीआई टीम द्वारा इसकी सूचना रजौली थाना की पुलिस को दी गई. रजौली थाना से पुलिस बल के पहुंचने के बाद स्थिति सामान्य हुई. इस हमले में सीबीआई टीम के वाहन चालक संजय सोनी जख्मी हो गए, वहीं एक अधिकारी की शर्ट फट गयी. महिला सिपाही पर मुरहेना पंचायत के वार्ड संख्या 16 के वार्ड सदस्य मिथलेश प्रसाद द्वारा अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया. सीबीआई के अफसरों को गालियां भी दी भी गई.बताया जा रहा है कि यूजीसी नेट पेपर लीक मामले गिरफ्तार एक युवक की निशानदेही पर कसियाडीह की एक युवती की तलाश में सीबीआई की टीम पहुंची थी. छापेमारी के दौरान सीबीआई टीम ने दो मोबाइल के साथ कुछ बैंक पासबुक और यूजीसी नेट से सम्बंधित कुछ कागजात बरामद कर अपने साथ ले गई है. हालांकि, नवादा पुलिस द्वारा बताया गया है कि दो मोबाइल फोन जब्त कर सीबीआई की टीम अपने साथ ले गई है.

नवादा के थाने में दारोगा जी को सांप ने डसा

डॉक्टर ने सांप को देखकर उस हिसाब से उनका शुरू किया इलाज

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ
नवादा, नवादा में एक दरोगा को सांप ने डस लिया. उन्हें तुरंत ही स्थानीय अस्पताल में ले जाया गया. अच्छी बात ये रही कि जिस सांप ने काटा था उसे उन्होंने डब्बे में बंद करके प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल पहुंच गए. डॉक्टर ने सांप को देखकर उस हिसाब से उनका इलाज शुरू किया. यह सब देखकर अस्पताल में लोगों की भीड़ लग गई.दरअसल, यह घटना तब घटी जब एसआई नवादा जिले के मेसकौर थाना में तैनात थे. जहां थाना परिसर में सांप डसने से एक एसआई संजीव कुमार जख्मी हो गए. जिसे इलाज के लिए नवादा सदर अस्पताल लाया गया. एसआई संजीव कुमार ने बताया कि रात में ड्यूटी कर थाना आए और खाना खाकर अपने कमरे के बेड पर सो रहे थे,

तभी अचानक में कुछ चुभा. जब लाईट जलाकर देख तो पता चला पैर में सांप डस लिया. इसकी सूचना थाना के अन्य स्टाफ को दी गई.एसआई ने स्थानीय तुरंत ही एक संपेरा को बुलाकर सांप को पकड़वाया और सांप उसे पकड़कर एक गैलन में कैद कर दिया, ताकि सांप क़ो पहचान कर सही तरीके से इलाज हो सके. एसआई द्वारा जख्मी अवस्था में सांप को भी अपने साथ नवादा सदर अस्पताल लाया गया. फिलहाल एसआई संजीव कुमार का इलाज सदर अस्पताल में जारी है.

सोनाक्षी सिन्हा की शादी के खिलाफ पटना में लगा पोस्टर

हिंदू शिव भवानी सेना ने कहा-शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी को बिहार में घुसने नहीं देंगे

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा आज अपने बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल के साथ शादी करने जा रही हैं। दोनों 23 जून को रजिस्टर्ड मैरिज करेंगे और इसके बाद शाम में शिल्पा शेट्टी के रेस्टोरेंट में रिसेप्शन पार्टी देंगे। जहां करीब एक हजार मेहमान शामिल होंगे। सोनाक्षी सिन्हा के पिता, अभिनेता और राजनेता शत्रुघ्न सिन्हा शादी समारोह में शामिल होने के लिए बेटी के घर पर पहुंच गए हैं। बेटी की शादी को लेकर शत्रुघ्न सिन्हा काफी खुश नजर आ रहे हैं। वही बिहार की राजधानी पटना की सड़कों पर शत्रुघ्न सिन्हा, उनकी बेटी सोनाक्षी सिन्हा और होने वाले दामाद जहीर इकबाल का बैनर-पोस्टर लगाया गया है। शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी सोनाक्षी सिन्हा की शादी के खिलाफ पटना के

हर चौक चौराहे पर हिंदू शिव भवानी सेना ने ये पोस्टर लगाए हैं।
पोस्टर के माध्यम से बिहारी बाबू को धमकी दी गयी है। कहा गया है कि सोनाक्षी सिन्हा को बिहार में घुसने नहीं देंगे। सन ऑफ हिंदू के नाम से अपनी पहचान बनाने वाले हिंदू शिव भवानी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष लव कुमार सिंह उर्फ रुद्र ने यह पोस्टर लगाया है। पोस्टर में लिखा गया है कि सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी लव जिहाद को बढ़ावा दे रही है। पूरे देश का इस्लामीकरण करने की कोशिश की जा रही है।
कहा गया है कि शत्रुघ्न सिन्हा जी शादी के फैसले पर पुर्नविचार करें नहीं तो अपने बेटे लव और कुश अपने घर रामायण का नाम तुरंत बदल लें। क्योंकि सोनाक्षी सिन्हा की जहीर इकबाल के साथ हो रही शादी से हिंदू धर्म का अपमान हो रहा है। हिंदू शिव भवानी सेना ने धमकी दी है कि सोनाक्षी सिन्हा को बिहार में घुसने नहीं देंगे। पोस्टर में आगे लिखा गया है कि हिंदू धर्म को कमजोर और नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से सोनाक्षी की शादी मुस्लिम लड़के से करायी जा रही है। मोहब्बत के नाम पर यह महजबी साजिश और अवैध धर्मांतरण है। इससे लव जिहाद को बढ़ावा मिलेगा। पूरे देश का इस्लामीकरण करने की कोशिश की जा रही है।

रोहतास में डॉक्टर की पिटाई

NMCH रेफर, संझौली थाने के दारोगा और पुलिस कर्मियों पर आरोप

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ
रोहतास, रोहतास के संझौली थाने में तैनात एक दारोगा शिवम कुमार और अन्य पुलिस कर्मियों पर डॉक्टर और उनके पिता के साथ मारपीट किये जाने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस की पिटाई से बुरी तरह घायल डॉ. गौरव कुमार को पटना रेफर किया गया है। घटना की सीसीटीवी फुटेज भी अब सामने आ गयी है। जिसमें सादे लिबास में मारपीट करते पुलिस कर्मियों की तस्वीर सीसीटीवी में कैद हुई है।
पीड़ित डॉक्टर ने बताया कि 21 जून को सादे लिबास में कुछ लोग आए और उनसे पैसे की मांग करने लगे। जब उन्होंने पैसे देने से इनकार किया तो बुरी तरह पीटने लगे। मारपीट होते देखा जब लोग इकट्ठा हुए तो मारपीट करने वाला व्यक्ति खुद को मरीज बताने लगा और कहने लगा कि उसके कमर में दर्द है। वो यहां इलाज कराने आया है। इसी बीच पुलिस की गाड़ी वहां पहुंच गयी और डॉ. गौरव कुमार को अपने गाड़ी में बैठकर

थाने ले गई। पीड़ित डॉक्टर का आरोप है कि थाने में एक कमरे में बंद कर कई पुलिस कर्मियों ने एक घंटे से अधिक समय तक डॉ. गौरव कुमार की पिटाई की जिससे वो बेहोश हो गए। बाद में ग्रामीण जब थाने पर पहुंचे और डॉक्टर के साथ मारपीट का विरोध करने लगे तब डॉ. गौरव कुमार को छोड़ा गया। उसके बाद प्राथमिक उपचार के उपरांत उन्हें पटना रेफर किया गया। पटना के एनएमसीएच में डॉ. गौरव का इलाज चल रहा है। इस घटना का इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने विरोध किया है। कहा कि दोषी पुलिसकर्मी पर कार्रवाई नहीं हुई तो स्वास्थ्य व्यवस्था को ठप कर दिया जाएगा। वहीं रोहतास के एसपी विनीत कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जिस पुलिस पदाधिकारी पर पिटाई करने का आरोप लगा है उसे दूसरे थाने में तत्काल भेज दिया गया है। पीड़ित डॉक्टर का आरोप है कि उनके अलावा उनके माता-पिता के साथ भी धक्का-मुक्की, मारपीट और बदसलूकी की गई। पीड़ित परिवार आरोपी दारोगा शिवम कुमार और अन्य पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

समस्तीपुर में जेडीयू नेता के यहां छापेमारी

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ
समस्तीपुर, बड़ी खबर सामने आ रही है जहां जदयू के प्रधान महासचिव के घर से गाड़ी में शराब व हथियार सहित एक लाख रुपये बरामद किए गए। घटना के बाद वो घर से फरार हैं। फिलहाल पुलिस छापेमारी में जुटी है !
बताया जाता है कि, दलसिंहसराय अनुमंडल क्षेत्र के विद्यापतिनगर थाना क्षेत्र के हरपुर बोचहा गांव में छापेमारी करते हुए पुलिस ने दो गाड़ी में रखी शराब के साथ दो हथियार के 99 हजार 50 रुपये नकद बरामद किए. शराब रखी एक स्कार्पियो गाड़ी के आगे एक बोर्ड लगा हुआ था, जिस पर जेडीयू प्रधान सचिव किसान प्रकोष्ठ लिखा हुआ था, वहीं दूसरी ऑल्टो कार, जिसमें भी शराब मिली है। उस कार पर पुलिस का लोगो लगा हुआ पाया गया है।
अमित कुमार सिंह पर पूर्व में भी शराब कारोबार को लेकर विद्यापतिनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज है। इस संबंध डीएसपी विवेक कुमार शर्मा ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर हरपुर बोचहा गांव के वार्ड सात संजीव कुमार सिंह और अमित कुमार सिंह के घर छापेमारी की गई है जहां दो गाड़ी से 8-8 लीटर विदेशी शराब के साथ दो हथियार बरामद हुई है। दोनों गाड़ी के साथ हथियार को जब्त कर सत्यापन कराया जा रहा है !

250 गोलियों के साथ आर्म्स सप्लायर अरेस्ट

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ
सहरसा, सहरसा पुलिस ने ढाई सौ गोलियों के साथ एक हथियार तस्कर को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान तस्कर ने जो खुलासे किए हैं उसे जानकर पुलिस भी हैरान है। गिरफ्त में आए तस्कर ने पुलिस को जानकारी दी है कि वह आर्मी के हवलदार के सहयोग से हथियारों की तस्करी करता है। जानकारी के मुताबिक, काशनगर थाना की पुलिस को जानकारी मिली थी कि काशनगर टोला, सांमहर बासा के वार्ड संख्या सात में रहने वाला कैलाश मेहता अपने घर में अवैध हथियारों और गोलियों की तस्करी का काम करता है। इस जानकारी के बाद पुलिस टीम एक्टिव हुई और आरोपी के घर की घेराबंदी कर छापेमारी की। पुलिस टीम ने छापेमारी के दौरान आरोपी तस्कर कैलाश के घर से ढाई सौ गोलियां बरामद की हैं। पुलिस टीम कैलाश को गिरफ्तार कर थाने ले आई और जब पूछताछ की तो उसने बताया कि बरामद गोलियां आर्मी की हैं, जो उसका भाई उदय मेहता लाकर देता है। वर्तमान में उदय आर्मी में हवलदार के पद पर है। आर्मी की गोलियों की तस्करी की बात सुनकर पुलिस दंग रह गई। फिलहाल पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और आरोपी से पूछताछ कर रही है।

बिहार की सरकारी जमीनों पर भू-माफिया की बुरी नजर

तालाब के बाद अब गवर्नमेंट लैंड बेचकर हो रहे मालामाल

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ
बिहार में जमीन माफिया की बुरी नजर अब सरकारी जमीनों पर है। भू-माफिया के हौसले इतने बुलंद हैं कि अब वह सरकारी जमीनों को भी विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से बेच रहे हैं। दरभंगा में सरकारी तालाब बेचने के बाद अब बिहार सरकार की जमीन को भी बेचा जा रहा है। ये भू माफिया खुद को कानून से ऊपर समझने लगे हैं और कानून को हाथ में लेकर किसी की भी जमीन पर अवैध कब्जा करने से नहीं चूक रहे।
मामला सदर अंचल के मधपुर मौजे से जुड़ा हुआ है, जहां बिहार सरकार की ज़मीन के ख़रीद-फरोख्त का एक बड़ा मामला का प्रकाश में आया है। सरकारी तंत्र की मिलीभगत से कारोबारी सरकारी जमीन को पचास लाख से एक करोड़ रुपए प्रति कट्ठा के हिसाब से बेच रहे हैं। हांलाकि जब इस बात की जानकारी भूमि सुधार उप समाहर्ता सदर को लगी तो उन्होंने तत्काल मौखिक आदेश देकर ख़रीद-बिक्री पर रोक लगा दी है।
दरअसल, सदर अंचल अंतर्गत मौजा मधपुर इंजीनियरिंग कॉलेज एनएच 27 से सटे अनावाद में बिहार सरकार की कई एकड़ ज़मीन है। जिसे कुसुम कुमारी देवी के द्वारा बेचा जा रहा है। जबकि उनके वंशज के नाम से कोई पुराना खतियान या केवाला प्राप्त नहीं है। कुसुम कुमारी देवी उक्त बिहार सरकार की ज़मीन की मालकिन कैसे बनी, यह बड़ा सवाल है। इस बात को लेकर ग्रामीणों ने डीएम दरभंगा को आवेदन देकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। आवेदक का दावा है कि भू माफिया एवं सरकारी कर्मचारी के गठजोड़ से गलत क्ष्ल्ल, ष्ह्ल का हवाला देकर पूरी ज़मीन पर कब्जा करने का खेल खेला गया है।

वहीं इसके बारे में भूमि सुधार उप समाहर्ता सदर संजीत कुमार ने कहा कि प्रारंभिक जांच में दस्तावेज के अनुसार यह जमीन बिहार सरकार की प्रतीत हो रही है। अभी फिलहाल इस स्थल के ख़रीद-फरोख्त पर रोक लगा दी गई है। साथ ही बहुत जल्द ही लिखित आदेश भी निर्गत कर दिये जाएंगे। उन्होंने कहा कि सदर अंचलाधिकारी से जमीन संबंधित दस्तावेज़ की मांग की गई है एवं सभी साक्ष्यों का आकलन किया जा रहा है।
सूत्रों की माने तो यह सरकारी ज़मीन जो तकरीबन 11-12 एकड़ है, जिसको हथियाने के प्रकरण में राजस्व के बड़े पदाधिकारी की संलिप्ता हो सकती है। बिहार सरकार द्वारा उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच हुई तो राजस्व विभाग के कई आला अधिकारी व बड़े नामचीन कारोबारी भी जांच की जद में आ सकते हैं। प्राप्त सूचना के अनुसार तकरीबन एक वर्ष पूर्व ही रोक सूची से इसे हटा दिया गया है। जिसके बाद रजिस्ट्री का खेल शुरू हुआ। ऑनलाइन रजिस्ट्री कार्यालय रिपोर्ट के अनुसार अभी तक 28 केवाला हो चुका है।